Bareilly, Friday,
12 November 2021
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 14

दैनिक जागरण inext

PAGE NO : 06TOP

'साईं सच्चरित्र' ने साईं की शिक्षाओं कराया रू-ब-रू

एसआरएमएस रिद्धिमा में चल रहे थिएटर फेस्ट इंद्रधनुष में कलाकारों ने नाटक साईं सच्चरित्र का किया भावुक मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (11 Nov): एसआरएमएस रिद्धिमा में थिएटर फेस्ट 'इंद्रधनुष' के तीसरे दिन साईं की शिक्षाओं पर आधारित नाटक साईं सच्चरित्र का मंचन किया गया. एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति ने साईं का किरदार निभाने वाले मुकुल नाग और गीता कुदेसिया को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया.

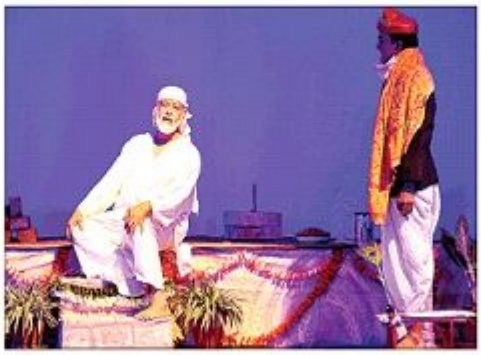

सबका मालिक एक है

नाटक की शुरुआत साईं बाबा द्वारा दी गई शिक्षा सबका मालिक एक है से होती है. नाटक में दिखाया गया कि हेमाडपंत बाबा का भक्त उनके पास आता है और कहता है कि बाबा में अपना जीवन परिचय लिखना चाहता हूं. इस पर साईं बड़ी सरलता से कहते हैं कि मेरी जीवनी लिखने से पहले तुझे अपने अंदर के अहंकार को खत्म करना होगा. इस प्रकार शुरू होती है साईं बाबा की कहानी. हेमाडपंत बाबा से पूछता है कि आप शिरडी कैसे पहुंचे. बाबा बताते हैं कि वह 16 वरस में शिरडी आये थे और वहीं उन्हें अपने गुरु की प्राप्ति हुई. गुरु के समाधि लेने के बाद शिरडी से जाने का मन किया तो बाईजा मां ने जाने से रोकना चाहा. बाईजा मां रोकती रही लेकिन मैंने शिरडी को छोड़ दिया और चल पड़े अपनी लीलाओं से लोगों का भला करने के लिए. साईं बताते हैं कि गुरु ने उन्हें दो सिक्के श्रद्धा और सबुरी दिए थे जिन्हें बाईजा मां को दे आया था. एक बार पाटिल ने मुझसे कहा साईं बाबा शिरडी चलो मेरे भतीजे की शादी में और मैं फौरन वापस शिरडी लौट आया वहीं से मेरा नाम साईं बाबा रख दिया गया.

कार्यक्रम में ट्रस्टी आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. रजनी अग्रवाल और शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे.